हिन्दी दैनिक

माई सिटी

R.N.I.NO. UPHIN/2013/50215

Email- mycitymedianews@gmail.com

वर्ष–12 अंक–272 | लखनऊ ,गुरूवार 07 अगस्त 2025 | पृष्ठ–04 | मूल्य– 1.00 रुपये

बरेली को मुख्यमंत्री ने दिया 2,264 करोड़ का तोहफा

कांवड़ का जिक्र कर सपा पर बोला तीखा हमला, कहा, यात्रा को बदनाम करने की

बरेली (एजेंसी)। बरेली उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि समाज की सतर्कता और प्रशासन की सक्रियता के कारण कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की साजिशें बार-बार नाकाम हुई हैं। मुख्यमंत्री ने बरेली में 2,264 करोड़ रुपये की 545 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, कुछ असामाजिक तत्वों ने कांवड़ यात्रा की छवि खराब करने की कोशिश की लेकिन समाज की जागरुकता व प्रशासन की तत्परता ने ऐसी साजिशों को नाकाम कर दिया है। यह यात्रा अब एकता और भक्ति की प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उन पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 2017 से पहले बरेली हर तीसरे माह सांप्रदायिक दंगों का गवाह बनता था। आज यह नाथ कॉरिडोर और आध्यात्मिक पर्यटन के लिए जाना जाता है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के माफिया मुक्त हो जाने का दावा करते हुए कहा, पहले हर जिले का अपना माफिया डॉन होता था। आज उत्तर प्रदेश एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज और एक जिला, एक उत्पाद के लिए जाना जाता है। हम आधुनिक बुनियादी ढांचे का निर्माण करते हुए आध्यात्मिक विरासत का संरक्षण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने किसी का नाम लिये बगैर कहा, 2017 से पहले सरकारी नौकरियां राजनीतिक रिश्तेदारों के लिए खुली छूट थीं। चाचा-भतीजे भर्ती को अपने निजी व्यवसाय की तरह समझते थे। पिछले आठ वर्षों में साढ़े आठ लाख से अधिक युवाओं को पारदर्शी तरीके से नौकरी दी गई है। पुलिस बल में भर्ती का हवाला देते हुए आदित्यनाथ ने कहा, हमने 60 हजार 244 पुलिसकर्मियों की भर्ती पूरी कर ली है। इनमें से 12 हजार से अधिक महिलाएं हैं। उन्होंने दावा किया कि अब किसी भी योजना के क्रियान्वयन में जाति, धर्म या क्षेत्र के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होता। उन्होंने कहा कि यह नया भारत है जो ह्यसबका साथ, सबका विकास की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है। आदित्यनाथ ने अपनी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा, डबल इंजन वाली भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) सरकार विरासत को विकास से जोड़ रही है। मुख्यमंत्री ने रोजगार मेले के माध्यम से चयनित छह हजार से अधिक युवाओं को नियुक्तिपत्र भी वितरित किए और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र व टैबलेट प्रदान किये। योगी आदित्यनाथ ने ह्यमुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना का जिक्र करते हुए कहा, इस योजना के तहत चयनित युवाओं को पांच लाख रुपये तक का ब्याज-मुक्त और गारंटी-मुक्त ऋण प्रदान किया जाता है। समय पर भुगतान करने पर ऋण को 7.5 लाख और फिर 10 लाख रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा, डबल इंजन वाली सरकार लोगों के जीवन में समृद्धि और खुशी सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रही है।

पीएम ने किया कर्तव्य भवन का उद्घाटन

गृह और विदेश जैसे कई महत्वपूर्ण मंत्रालय होंगे शिफ्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत बने कर्तव्य भवन का उद्घाटन किया है। यह भव्य इमारत इंडिया गेट और राष्ट्रपति भवन के बीच स्थित है और अब यह देश के सभी बड़े मंत्रालयों का नया केंद्र बनेगी।

इस अत्याधुनिक भवन से केंद्र सरकार के सभी मंत्रालय एक ही जगह से काम करेंगे। कर्तव्य भवन का निर्माण पूरा होने के बाद साउथ ब्लॉक और नॉर्थ ब्लॉक को खाली कर दिया जाएगा। अभी इन दोनों इमारतों में जो मंत्रालय चल रहे हैं, उन्हें कर्तव्य भवन में शिफ्ट किया जाएगा। इसके बाद नॉर्थ और साउथ ब्लॉक में युगे-युगीन भारत संग्रहालय बनाया जाएगा। यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो हमारी विरासत को संरक्षित करेगा। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत कुल तीन कर्तव्य भवनों का निर्माण होना है। प्रधानमंत्री मोदी ने आज कर्तव्य भवन-3 का उद्घाटन किया है। शहरी विकास कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर के अनुसार कर्तव्य भवन-1 और कर्तव्य भवन-2 का निर्माण भी जल्द ही पूरा हो जाएगा। कर्तव्य भवन-3 में कई महत्वपूर्ण मंत्रालय शामिल होंगे, जिनमें गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, एमएसएमई मंत्रालय, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय और प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार का कार्यालय शामिल हैं। बताया जा रहा है कि कर्तव्य भवन-1 का काम अगले महीने तक पूरा हो जाएगा। इसमें वित्त मंत्रालय और इसका प्रिंटिंग प्रेस भी होगा।

रक्षाबंधन पर बाबा महाकाल को बांधी जाएगी पहली राखी

उज्जैन (एजेंसी)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में रक्षाबंधन के अवसर पर विशेष आयोजन की तैयारियां जोरों शोरों से जारी है। रक्षाबंधन पर सबसे पहली राखी भगवान महाकाल को बांधी जाएगी। इसके साथ वर्षों से चली आ रही भव्य परंपरा के तहत 9 अगस्त को भगवान महाकाल को सवा लाख लड्डुओं का महाभोग अर्पित किया जाएगा। ये लड्डू शुद्ध देसी घी, बेसन, शक्कर और ड्रायफ्रूट्स से तैयार किए जा रहे हैं।रक्षाबंधन के दिन सुबह सबसे पहले भगवान महाकाल को राखी बांधी जाएगी। वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार, भस्म आरती के समय भगवान को विशेष रूप से सजी हुई राखी अर्पित की जाती है, जो पुजारी परिवार की महिलाएं अपने हाथों से बनाती हैं। रक्षाबंधन पर महाकाल मंदिर के नंदी हॉल और गर्भगृह को रंग-बिरंगे फूलों से सजाया जाएगा, जिससे मंदिर का वातावरण भक्तिमय और उत्सवमय हो जाएगा। लड्डुओं का भोग अर्पण करने के बाद इन्हें प्रसाद के रूप में भक्तों में वितरित किया जाएगा। पुजारियों के अनुसार, यह आयोजन केवल महाकाल मंदिर तक ही सीमित नहीं है। शहर के अन्य मंदिरों में भी भगवान को राखी बांधने की रस्म निभाई जाती है।

सीहोर के कुबेरेश्वर धाम आए दो और श्रद्धालुओं की मौत

सीहोर (एजेंसी)। सीहोर में बुधवार को पंडित प्रदीप मिश्रा के कुबेरेश्वर धाम में कांवड़ यात्रा में शामिल होने आए दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों के नाम चतुर सिंह (उम्र 50 वर्ष) पिता भूरा पांचवल गुजरात और ईश्वर सिंह (उम्र 65 वर्ष) रोहतक हरियाणा के निवासी हैं। बताया जा रहा है कि एक व्यक्ति की मौत कुबेरेश्वर धाम में अचानक खड़े-खड़े चक्कर आकर गिरने से हुई है, जबकि दूसरे व्यक्ति की मौत एक होटल के सामने खड़े-खड़े गिर जाने से हुई है। वहीं हरियाणा की सुनीता नाम की एक महिला कावड़ ले जाते समय भोपाल-इंदौर हाईवे पर गिरने से घायल हो गई। इससे पहले बुधवार को कुबेरेश्वर धाम में मची भगदड़ में दो महिलाओं की मौत हुई थी। उनकी पहचान आज हुई है। एक का नाम जसवंती बेन (उम्र 56 वर्ष) पति चंदू भाई है, वह ओम नगर राजकोट गुजरात से है, जबकि दूसरी महिला का नाम संगीता गुप्ता (उम्र 48 वर्ष) पति मनोज गुप्ता निवासी फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश है।

दिल्ली में महिला सांसद की चेन छीनने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को कांग्रेस सांसद आर. सुधा की गर्दन से 30 ग्राम के सोने की चेन छीनने वाले आरोपी को बुधवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 24 साल के सोहन रावत के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से सांसद की चेन और वह स्कूटर जब्त की है, जिससे उसने घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखने के बाद, उसे गिरफ्तार किया गया है। रावत पर पहले से 26 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से ज्यादातर चोरी और झपटमारी से जुड़े हैं। उसे अप्रैल में गाड़ी चोरी के एक मामले में गिरफ्तार किया था। वह 27 जून को जमानत पर बाहर आया था।

सीएम ने किया प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण, पीड़ितों को ढांढस बंधाया

पीएम मोदी ने लिया अपडेट

देहरादून (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया उत्तरकाशी प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। साथ ही उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर ढांढस बंधाया। वहीं प्रधानमंत्री मोदी लगातार सीएम धामी ने अपडेट ले रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी के धराली में बादल फटने और अचानक आई बाढ़ से प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। वह हर्षिल पहुंचे और आपदा प्रभावितों से मिल रहे हैं। आपदा राहत सामग्री और खाद्य सामग्री लेकर भी एक हेलिकॉप्टर पहुंचा है। पीएम मोदी ने फोन पर आपदा को लेकर सारा अपडेट लिया। सीएम धामी ने कहा कि दस डीएसपी, तीन एसपी और लगभग 160 पुलिस अधिकारी बचाव अभियान में लगे हुए हैं। भारतीय सेना के हेलिकॉप्टर भी तैयार हैं। जैसे ही मौसम में सुधार होगा,

हेलिकॉप्टरों का इस्तेमाल बचाव कार्यों के लिए किया जाएगा। खाने के पैकेट और डॉक्टरों की एक टीम तैयार कर ली गई है। बिजली बहाल करने का काम भी चल रहा है। कहा कि धराली में अभी मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं है। हम लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। हम सभी को सुरक्षित बचाने के प्रयास कर रहे हैं। सीएम धामी ने कहा, भारतीय सेना, आईटीबीपी, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और स्थानीय लोगों सहित हमारी सभी एजेंसियां बचाव कार्य कर रही हैं। कल 130 लोगों को बचाया गया। तलाशी और बचाव अभियान जारी है। सड़कें और एक पुल क्षतिग्रस्त होने के कारण घटनास्थल तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। देहरादून में आपदा संचालन स्टेशन हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए 24 घंटे काम कर रहा है। हम सभी को सुरक्षित बचाने के प्रयास कर रहे हैं।

ट्रम्प धमका रहे, मोदी सामना नहीं कर पा रहे,अडाणी के खिलाफ चल रही अमेरिकी जांच से उनके हाथ बंधे हैं:राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि च्ड नरेंद्र मोदी, ट्रम्प की धमकियों के सामने खड़े नहीं हो पा रहे हैं। इसकी वजह यह है कि अडाणी के खिलाफ अमेरिकी जांच चल रही है। ऐसे में मोदी के हाथ बंधे हुए हैं। मोदी का एए (अडाणी-अंबानी) के साथ क्या संबंध है, यह उजागर हो चुका है। पिछले साल अमेरिका में अडाणी समेत 8 लोगों पर अरबों रुपए की धोखाधड़ी के आरोप लगे थे। अमेरिकी अटॉर्नी ऑफिस आरोप पत्र के मुताबिक, अडाणी की कंपनी ने भारत में रिन्यूएबल एनर्जी के प्रोजेक्ट गलत तरीके से हासिल किए थे। इसके लिए सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दी गई थी। इसकी जांच जारी है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी (मृत अर्थव्यवस्था) बताने पर कहा- मुझे खुशी हुई कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने फैक्ट बताया है। राहुल ने कहा कि पूरी दुनिया जानती है

कि भाजपा ने अडाणी की मदद के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। ट्रम्प सही कह रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री को छोड़कर सभी जानते हैं कि भारत की इकोनॉमी डेड है। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर दूसरे दिन बहस में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा ट्रम्प ने 29 बार कहा है कि हमने युद्ध रुकवाया। अगर दम है तो प्रधानमंत्री यहां सदन में यह बोल दें कि वह झूठ बोल रहे हैं। राहुल ने कहा अगर पीएम मोदी में इंदिरा गांधी की तरह 50 प्रतिशत भी दम है तो कह दीजिए कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत का एक भी फाइटर जेट नहीं गिरा। प्रधानमंत्री अपनी छवि बचाने के लिए जिस तरह से सशस्त्र बलों का इस्तेमाल कर रहे हैं, वह देश के लिए खतरनाक है। ट्रम्प आज भारत पर और ज्यादा टैरिफ का ऐलान कर सकते हैं। उन्होंने कल (5 अगस्त) को कहा था कि वे 24 घंटे में भारत पर भारी टैरिफ लगाने जा रहे हैं। ट्रम्प ने 30 जुलाई को भारत पर 25: टैरिफ का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि भारत, रूस के साथ व्यापार करके यूक्रेन के खिलाफ रूसी वॉर मशीन को ईंधन देने का काम कर रहा है। इस वजह से अमेरिका को सख्त कदम उठाने की जरूरत है। इससे एक दिन पहले भी उन्होंने कहा था कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीद कर ओपन मार्केट में बेच रहा है। भारत को इस बात की कोई परवाह नहीं है कि रूस के हमले से यूक्रेन में कितने लोग मारे जा रहे हैं। इस वजह मैं भारत पर टैरिफ में भारी इजाफा करूंगा। यूक्रेन युद्ध से पहले भारत रूस से सिर्फ 0.2: (68 हजार बैरल प्रतिदिन) तेल इम्पोर्ट करता था। मई 2023 तक यह बढ़कर 45: (20 लाख बैरल प्रतिदिन) हो गया, जबकि 2025 में जनवरी से जुलाई तक भारत हर दिन रूस से 17.8 लाख बैरल तेल खरीद रहा है। पिछले दो साल से भारत हर साल 130 अरब डॉलर (11.33 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा का रूसी तेल खरीद रहा है।

बिहार मतदाता सूची से गायब 65 लाख लोगों के विवरण शनिवार तक दें चुनाव आयोग: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को चुनाव आयोग से कहा कि वह विशेष पुनरीक्षण के दौरान बिहार मतदाता सूची से हटाये गए 65 लाख लोगों (मृत और स्थायी पलायन करने वाले) का विवरण शनिवार तक दे। न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति उज्ज्ल भुयान और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण की गुहार पर यह निर्देश दिया। पीठ ने निर्वाचन आयोग के वकील से कहा, ह्यशनिवार तक

जवाब दाखिल करें और भूषण को इसे देखने दें। फिर हम देख पाएंगे कि क्या खुलासा हुआ है और क्या नहीं। पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा अपनाई गई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार हर राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों को यह जानकारी दी जाएगी। इस पर चुनाव आयोग के अधिवक्ता ने कहा कि वह प्रस्तुत करेगा कि यह जानकारी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ जानकारी साझा की गई है। अदालत ने चुनाव आयोग से कहा कि वह अपना जवाब रिकॉर्ड पर रखें। पीठ ने निर्वाचन आयोग के अधिवक्ता से कहा, ह्यउन राजनीतिक दलों की सूची दीजिए जिन्हें यह जानकारी दी गई है। हम 12 अगस्त को मामले की सुनवाई करेंगे। तब तक अपना (निर्वाचन आयोग का) जवाब दाखिल करें। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता की चिंताओं पर कहा, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रभावित होने वाले प्रत्येक मतदाता को आवश्यक जानकारी मिले। एडीआर ने अपने आवेदन में कहा कि 25 जुलाई को निर्वाचन आयोग ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की जिसमें कहा गया था कि लगभग 65 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस विधायकों का पुलिस की वर्दी पहनकर प्रदर्शन

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान कांग्रेस विधायकों के आक्रामक तेवर बने हुए है। कांग्रेस विधायकों ने बुधवार को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में पुलिस कांस्टेबल भर्ती घोटाले पर विधानसभा में प्रदर्शन किया। कांग्रेस के विधायक पुलिस जवानों की वर्दी पहनकर पहुंचे थे। कांग्रेस ने राज्य में पुलिस कांस्टेबल भर्ती घोटाले का आरोप लगाते हुए विधानसभा परिसर में जमकर प्रदर्शन किया और नारेबाजी भी की। कांग्रेस ने इस भर्ती घोटाले को व्यापमं पार्ट-दो बताया है। नेता प्रतिपक्ष

उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने पुलिस की प्रतीकात्मक वर्दी पहनकर प्रदर्शन किया और जोरदार नारेबाजी की। सिंघार ने आरोप लगाया कि यह घोटाला व्यापम पार्ट दो है और इसकी निष्पक्ष न्यायिक जांच कर दोषियों को सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने सरकार पर भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार को संरक्षण देने का आरोप भी लगाया। विधानसभा परिसर में पहुंचे कांग्रेस विधायक कांस्टेबलों की खाकी वर्दी और नेता प्रतिपक्ष सिंघार स्वयं सफेद वर्दी और टोपी लगाए हुए थे। इतना ही नहीं सीटी भी बजा रहे थे। उनकी वर्दी पर नेम प्लेट भी लगी हुई थी।

हथिनी माधुरी को वापस लाने के लिए महाराष्ट्र सरकार की याचिका का समर्थन करेगा वनतारा: फडणवीस

महाराष्ट्र (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को

कहा कि जामनगर स्थित पशु पुनर्वास केंद्र वनतारा, हथिनी माधुरी को कोल्हापुर के एक मठ में वापस भेजने की मांग संबंधी राज्य सरकार की याचिका का उच्चतम न्यायालय में समर्थन करेगा। उन्होंने कहा कि कोल्हापुर जिले के नंदनी स्थित मठ के पास हथिनी के लिए एक बचाव केंद्र स्थापित किया जाएगा। फडणवीस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज मुंबई में वनतारा टीम के साथ मेरी विस्तृत चर्चा हुई। अच्छी खबर यह है कि उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि वे हथिनी माधुरी को मठ में वापस लाने के लिए माननीय उच्चतम न्यायालय में महाराष्ट्र सरकार की याचिका में शामिल होने को इच्छुक हैं। यह हथिनी 36 साल की है, जो तीन दशक से अधिक समय से नंदनी स्थित श्री जिनसेन भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामी जैन मठ में थी। उसे पिछले सप्ताह अदालत के फैसले के बाद वनतारा के जामनगर पुनर्वास केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया, जिसके बाद विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गए। रविवार को कोल्हापुर में हजारों लोगों ने एक मौन मार्च निकाला और माधुरी (जिसे महादेवी भी कहा जाता है) को वापस लाने की मांग की। वहीं, वनतारा ने कहा कि उसने हथिनी को अपने केंद्र में स्थानांतरित करने का अनुरोध नहीं किया था, बल्कि उसने केवल अदालत द्वारा नियुक्त प्राप्तकर्ता के रूप में कार्य किया।

दुनिया को विविधता अपनाने वाले धर्म की जरूरत,जैसे कि हिंदू धर्म:भागवत

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि दुनिया को उस धर्म की जरूरत है जो विविधताओं को अपनाए, जैसे कि हिंदू धर्म। उन्होंने कहा कि धर्म हमें अपनापन और विविधताओं को स्वीकार करना सिखाता है। भागवत ने कहा, हम विविध हैं, लेकिन अलग नहीं हैं। अंतिम सत्य यह है कि हम अलग दिख सकते हैं, लेकिन वास्तव में हम एक ही हैं। वे नागपुर में धर्म जागरण न्यास के नए कार्यालय के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने

कहा कि हर किसी ने फिल्म छावा देखी है जो छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। केवल महान लोग ही नहीं, आम लोगों ने भी धर्म के लिए बलिदान दिया है। भागवत ने कहा कि धर्म सत्य है और पुण्य कार्य है, जो समाज में शांति बनाए रखने में सहायक होता है। धर्म के मार्ग पर जिम्मेदारी के साथ चलने से व्यक्ति को संकट के समय साहस और रास्ता खोजने का संकल्प मिलता है। उन्होंने आगे कहा कि समारोह में संघ प्रमुख ने धर्म के महत्व और समाज में इसकी भूमिका पर विस्तार से चर्चा की और लोगों से आह्वान किया कि वे धर्म के मूल सिद्धांतों को जीवन में उतारें। सितंबर 2021 में मुस्लिम विद्वानों के एक कार्यक्रम में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था- भारत में रहने वाले हिन्दुओं और मुसलमानों के पूर्वज एक समान हैं। मुस्लिमों को भारत में डरने की जरूरत नहीं है। हमें मुस्लिम वर्चस्व की नहीं बल्कि भारत वर्चस्व की सोच रखनी होगी। भागवत ने आगे कहा था, हिंदू यह कोई जाति या भाषा वाचक संज्ञा नहीं है। यह हर व्यक्ति के विकास, उत्थान का मार्गदर्शन करने वाली परंपरा का नाम है। फिर चाहे वह किसी भी भाषा, पंथ, धर्म के हों, वे हिंदू हैं।

सम्पादकीय

दो जुझारू नेताओं का निधन

भारतीय राजनीति से दो दिनों में दो कद्दावर नेताओं का निधन बड़ी शून्यता कायम कर गया है। 4 अगस्त को शिबू सोरेन का निधन हुआ और 5 अगस्त को सत्यपाल मलिक का। श्री सोरेन और श्री मलिक दोनों की राजनीति के तौर-तरीके अलग थे, दल अलग थे, विचारधारा अलग थी। लेकिन मिजाज दोनों का एक ही तरह का था, जुझारू, अक्खड़पना, जमीन से जुड़ाव और गांधी की भाषा में कहें तो अंतिम पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति की फिक्र दोनों नेताओं की राजनीति के केंद्र में रही। शिबू सोरेन आदिवासियों के बड़े नेता थे, उन्हें झारखंड के लोग केवल दिशोम गुरु (समाज का गुरु) ही नहीं कहते हैं, बल्कि भगवान की तरह मानते हैं। सत्यपाल मलिक का जनाधार बेशक शिबू सोरेन की तरह नहीं रहा, लेकिन उन्होंने भी गरीब, वंचित पीड़ित लोगों के हितों को तरजीह दी। शिबू सोरेन और सत्यपाल मलिक में सबसे बड़ी समानता यह रही कि सत्ता के साथ रहते हुए जी हुजूरी नहीं की और सत्ता के खिलाफ रहे तो खौफ नहीं खाया। साल 1944 में अविभाजित बिहार के हजारीबाग में जन्मे शिबू सोरेन के संघर्ष की शुरूआत अल्पायु में ही हो गई थी। उनके पिता सोबरन सोरेन की हत्या कर दी गई, क्योंकि उन्होंने आदिवासी इलाकों में फैले महाजनों के आतंक के खिलाफ आवाज उठाई थी। पिता के संघर्ष को आगे बढ़ाते हुए शिबू सोरेन ने भी महाजनी प्रथा के खिलाफ आवाज उठाई और धान कटनी आंदोलन चलाया। उन्होंने आदिवासियों को जागरूक किया कि धान लगाने वाला ही धान काटेगा और इस पर महाजनों का कोई अधिकार नहीं है। 70 से 80 के दशक में ये आंदोलन बहुत बड़ा हो गया, इसने झारखंड के किसानों, कामगारों और काश्तकारों को एकजुट किया, आदिवासियों को शोषण के खिलाफ खड़े होने की हिम्मत दिलाई। इसी वजह से शिबू सोरेन को झारखंड के लोगों ने दिशोम गुरु की उपाधि दी। कई सालों तक शिबू सोरेन ने आदिवासियों के लिए रात्रि पाठशाला चलाई ताकि दिन भर अपना-अपना काम निपटाने के बाद आदिवासी पढ़ पाएं। शिक्षा के अलावा शराब और नशे से आदिवासियों को दूर करने की कोशिश भी शिबू सोरेन ने की। 1980 में पहली बार सांसद बनने के बाद जब उन्होंने संसद में भाषण दिया तो शराब के विरोध में बोले। शिबू सोरेन ने सामाजिक सुधार के साथ 1973 में राजनीति में कदम रखा, विनोद महतो और कामरेड एके राय के साथ मिलकर झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना की। अविभाजित बिहार में प्राकृतिक संसाधनों का खजाना लिए दक्षिण के 26 जिलों को मिलाकर एक झारखंड राज्य बने, ऐसी कल्पना उन्होंने की। लंबे संघर्ष और राजनैतिक उठापटक के बाद आखिरकार 2000 में झारखंड राज्य बना, साथ में छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड भी बने। हालांकि झारखंड निर्माण के बाद कई बार राजनैतिक अस्थिरता बनी। इस दौरान शिबू सोरेन कभी लोकसभा, कभी राज्यसभा, कभी विधानसभा के सदस्य बनते रहे। विभिन्न दलों के साथ उनके वैचारिक, सैद्धांतिक टकराव हुए। दिल्ली की सत्ता पर बैठे लोगों के साथ उन्होंने समझौते भी किए, लेकिन इन सबके बीच आदिवासियों के हितों के उद्देश्य से गुरुजी एक बार भी नहीं भटके। आठ बार लोकसभा सांसद, दो बार राज्यसभा सांसद, दो बार विधायक बनने वाले शिबू सोरेन ने केन्द्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री जैसे पद संभाले, हालांकि कई तरह के मामले-मुकदमों और राजनैतिक उठापटक में वे अपना कार्यकाल कभी पूरा नहीं कर पाए। आज जब सत्ता पर किसी भी तरह बैठना ही कई नेताओं का अंतिम लक्ष्य बन गया है, तब शिबू सोरेन जैसे नेताओं के जीवन को याद करना चाहिए, जिन्होंने सत्ता से पहले नागरिकों का ख्याल रखा। सत्यपाल मलिक का भी राजनीतिक जीवन पांच दशक लंबा रहा। 1968-1969 में छात्र राजनीति से शुरूआत करते हुए श्री मलिक किसान नेता चौधरी चरण सिंह के करीब आए और 1974 में चुनावी राजनीति में उतरे। बागपत से विधानसभा का चुनाव जीतकर पहली बार विधायक बने। इसके बाद वे चौधरी चरण सिंह के साथ ही लोक दल में शामिल हो गए, उन्हें पार्टी का महासचिव बनाया गया। सत्यपाल मलिक 1980 में लोक दल की ओर से ही राज्यसभा पहुंचे। 1984 में वे कांग्रेस में शामिल हो गए थे। कांग्रेस ने उन्हें 1986 में एक बार फिर राज्यसभा पहुंचाया। बोफोर्स मामला उठने के बाद श्री मलिक वी पी सिंह के नेतृत्व वाले जनता दल में शामिल हुए, 1989 में सांसद बने और केन्द्रीय राज्य मंत्री भी। इसके बाद 2004 में सत्यपाल मलिक भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। राजनीतिक उथल-पुथल, सत्ता के खेल इन सबको श्री मलिक ने करीब से देखा, कई बार उनमें प्रत्यक्ष या परोक्ष तौर पर शामिल हुए। जिस पार्टी के साथ रहे, उससे मतभेद भी हुआ। लेकिन भाजपा में नरेन्द्र मोदी का शासनकाल शुरू होने पर जिस तरह उनके मतभेद सामने आए, वे सर्वाधिक चर्चित हुए। पुलवामा हमले पर मोदी सरकार ने उन्होंने जो हमला बोला, उसकी काफी चर्चा हुई। यहां बताना जरूरी है कि देशबन्धु के यूट्यूब चौनल डीबीलाइव पर ही सबसे पहले श्री मलिक ने पुलवामा को लेकर नए खुलासे किए थे। इसके ठीक बाद द वायर के लिए करण थापर ने उनसे इसी आधार पर इंटरव्यू लिया, हालांकि श्री थापर ने इसके लिए डीबीलाइव को श्रेय नहीं दिया।

ताकि भगदड़ के हादसों पर लग सके लगाम

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भगदड़ की सुर्खियों की स्याही अभी सूखी नहीं कि उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले से भी भगदड़ की खबर आ गई है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर देश तेजी से कदम बढ़ा रहा है। तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था का मतलब है कि तकनीक और सहूलियतों से देश लैस होता जा रहा है। इस संदर्भ में जब भगदड़ की घटनाएं सामने आती हैं तो आधुनिकता से कदमताल करने वाली ये छवियां दरकने लगती हैं। ऐसा नहीं कि देश का ध्यान इस विरोधाभास की ओर नहीं है। फिर भी ऐसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं। ऐसी घटनाएं जब भी होती हैं तो एहतियाती कदम उठाए जाने की प्रशासनिक तंत्र की ओर से घोषणाएं होती हैं। कुछ दिन में देश ऐसी घटनाओं को भुला देता है। अभी भूलने और भुलाने का यह खेल जारी ही रहता है कि कोई नई घटना आ जाती है और एहतियाती कदमों का ऐलान महज हवा-हवाई बनकर रह जाता है। भगदड़ की घटनाओं को लेकर अपनी व्यवस्था कितना संजीदा है, इसी साल हुई घटनाओं से इसका अनुमान लगाया जा सकता है। साल 2025 में ही सात घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें आधिकारिक तौर पर 81 लोगों की जान जा चुकी है। जबकि सैकड़ों घायल हुए हैं। दिलचस्प यह है कि ये घटनाएं कुंभ जैसे भीड़ भाड़ वाले सांस्कृतिक और पारंपरिक आयोजन में तो हुई हीं, राष्ट्रीय राजधानी के रेलवे स्टेशन से लेकर गोवा जैसे कम जनसंख्या वाले राज्य में भी घटीं।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार नई सदी के बाइस साल में 23 बार भगदड़ मची, जिनमें करीब डेढ़ हजार लोगों को जान गंवानी पड़ी। इन घटनाओं में घायल लोगों में से कई दिव्यांग बन गए तो कई को ऐसा मानसिक आघात लगा कि उससे अभी तक उबर नहीं पाए हैं। भगदड़ की घटनाओं के लिए नागरिक बोध की कमी को पहला कारण माना जाता है। लेकिन हमें नहीं भूलना चाहिए कि भगदड़ की ज्यादातर घटनाएं प्रशासनिक तंत्र की खामी की वजह से होती है। मसलन, 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर घटी घटना की वजह रेलवे अधिकारियों की सोच रही, जिन्होंने आनन-फानन में ट्रेन का प्लेटफॉर्म बदल दिया और उसमें जगह पाने के लिए लोग दौड़ पड़े। दुनिया की बेहतर प्रशासनिक व्यवस्थाओं में अधिकारियों का कल्पनाशील और अनुमानशील होना जरूरी माना जाता है। लेकिन भारतीय प्रशासनिक ढांचे इस कल्पनाशीलता की अक्सर कमी नजर आती है। उसे भावी संकटों और समस्याओं का अनुमान लगाने के लिए जरूरी सोच की कमी है। वह किसी समस्या का अंदाजा लगाकर उसे शुरू में रोकने और व्यवस्थित करने की बजाय आखिरी छोर पर निबटने की सोच से लगातार लैस रहता है। मेले-ठेले में जाने वाले लोगों की भीड़ को मेले में घुसने से पहले व्यवस्थित करने और उसे रोकने में भारतीय प्रशासनिक तंत्र की दिलचस्पी कम होती है, लेकिन जब मेले में भीड़ बढ़ जाती है तो मेले वाली जगह के दरवाजे पर वह अचानक से रोक लगा देता है। जबकि होना यह चाहिए कि मेले की ओर जान वाले रास्ते पर भीड़ को देखते हुए रोक लगा दी जाए। दरवाजे पर भीड़ को रोकने से मेले में भीड़ भले ही ना घुसे, लेकिन पीछे से आ रहे रेले पर रोक नहीं लग पाती। इससे बैरिकेट वाली जगह पर भीड़ का दबाव बढ़ जाता है। पीछे वाली भीड़ के दबाव के चलते एक वक्त ऐसा आता है कि बैरिकेट का कोई मतलब नहीं रह जाता। फिर रेला लोगों को धकियाते आगे बढ़ने लगता है। इस बीच कोई गिर गया तो पीछे वाले के पास ना तो इतना वक्त होता है कि वह समझ पाए ना ही इतनी क्षमता कि पीछे वाली भीड़ को रोक पाए। वह सामने गिरे व्यक्ति के शरीर की ओर अपना पैर बढ़ाने से रोक भी नहीं पाता। इसी दौरान गिरे हुए लोग दूसरे लोगों के पांवों से कुचलते चले जाते हैं। प्रयागराज की भगदड़ की भी वजह यही थी। भीड़ पीछे नहीं रोकी गई, स्नान केंद्र के पास रोकी गई। इसकी वजह से बैरिकेट पर दबाव बढ़ा और पीछे से आए रेला ने इसकी परवाह नहीं कि कौन गिरा है और किसके पेट,पीठ या सिर पर उसका पैर पड़ रहा है। भगदड़ के बारे में एक अवधारणा रही है कि गरीब-गुरबा और अशिक्षित लोग ही इसके शिकार बनते हैं। लेकिन यह अधूरा सच है। यह सच है कि उत्तर भारत के मंदिरों में दर्शनार्थियों की भीड़ में ज्यादार निम्न मध्यम वर्ग के लोग होते हैं। उत्तर भारत में मंदिरों तक में वीआईपी संस्कृति का बोलबाला है। इसकी तुलना में दक्षिण भारतीय मंदिरों में वीआईपी संस्कृति कुछ कम है। हालांकि दक्षिण के भी कई मंदिरों में दर्शन की व्यवस्था में वीआईपी संस्कृति का तड़का रहता है। लेकिन तुलनात्मक रूप से उत्तर में यह संस्कृति ज्यादा है। इसलिए उत्तर के मंदिरों और धार्मिक मेले-ठेले में अनुशासनहीन भीड़ की बहुलता होती है। चूंकि प्रशासनिक तंत्र कल्पनाशीलता से उन्हें व्यवस्थित नहीं कर पाता, लिहाजा भगदड़ की दुर्भाग्यजनक घटनाएं हो जाती हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या ऐसी व्यवस्था नहीं बनाई जा सकती कि देश के भीड़भाड़ वाले आयोजन बिना किसी भगदड़ या अव्यवस्था के संपन्न हो सकें। इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक मुकम्मल नीति बनाने और उसे कड़ाई से लागू करने की जरूरत है। हमें पता है कि आज के दौर की हर कठिन राह को तकनीक नेआसान की है। इसने तमाम समस्याओं के समाधान की नई राहें भी निकाली हैं। नीतिगत स्तर पर प्रशासनिक तंत्र को तकनीक के इस्तेमाल के लिए तैयार किया जाना होगा। प्रशासनिक तंत्र को इसके लिए प्रशिक्षित किया जाना होगा कि तकनीक के इस्तेमाल से वे ठीक से पता लगा पाएं कि किस बिंदु पर भीड़ को रोका जाना चाहिए, कहां बैरिकेटिंग करके भीड़ को नियंत्रित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही प्रशासनिक तंत्र की सोच में कल्पनाशीलता को बढ़ावा देने के लिए भी तैयार करना होगा। प्रशासनिक तंत्र समस्याओं का अनुमान लगाने वाला मानस विकसित कर सके, इसके लिए भी जरूरी इंतजाम करना होगा। इसके साथ ही, भीड़ को अनुशासित करने के लिए दो स्तरों पर काम करना होगा। स्कूली स्तर से ही इस दिशा में शिक्षा और संस्कार देना होगा। साथ ही, आम लोगों को पीछे छोड़ने या किनारे रखने वाली वीआईपी संस्कृति पर पूरी तरह रोक लगाना भी इस दिशा में बेहद जरूरी कदम होना चाहिए। इसके साथ ही अफवाहों पर लगाम लगाने के मुकम्मल इंतजाम होने चाहिए। तभी जाकर हम आने वाले दिनों में अपनी भीड़ को सुरक्षित और बेहतर आयोजन का उपहार दे पाएंगे।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच रक्षा संवाद के जरिये सामरिक संबंधों में हो गयी नई शुरूआत

भारत और न्यूजीलैंड के बीच गहराते रक्षा संबंध न केवल द्विपक्षीय सहयोग की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र की उभरती भू-राजनीतिक चुनौतियों के संदर्भ में भी सामरिक दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक हैं। देखा जाये तो आज की वैश्विक व्यवस्था में, समुद्री सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, साइबर खतरों और बहुपक्षीय सहयोग जैसे मुद्दों पर साझेदारी का महत्व निरंतर बढ़ता जा रहा है। न्यूजीलैंड भले ही भौगोलिक रूप से भारत से दूर हो, परंतु दोनों देशों के साझा लोकतांत्रिक मूल्य, मुक्त और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता उन्हें स्वाभाविक रणनीतिक साझेदार बनाते हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र, जो आज वैश्विक शक्ति संघर्ष का केंद्र बन चुका है, उसमें भारत की भूमिका एक प्रमुख स्थिर कारक के रूप में उभर रही है। वहीं, न्यूजीलैंड अपनी शांतिपूर्ण, सहयोगात्मक नीति और समुद्री सुरक्षा में सक्रियता के कारण एक विश्वसनीय साझेदार है। इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए दोनों देशों के बीच समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण है। हम आपको बता दें कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुई प्रथम रक्षा रणनीतिक वार्ता इस बढ़ते सामरिक सहयोग का एक स्पष्ट संकेत है। प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, समुद्री सूचना साझा करना और बहुपक्षीय सहयोग के क्षेत्र में बातचीत ने द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को नई गति प्रदान की है। अतः यह कहा जा सकता है कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच रक्षा सहयोग केवल रणनीतिक साझेदारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह क्षेत्रीय स्थिरता, वैश्विक सामंजस्य और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है। भविष्य में यह सहयोग दोनों देशों के लिए सामरिक संतुलन और वैश्विक नेतृत्व के अवसरों को और सुदृढ़ कर सकता है। हम आपको बता दें कि 05 अगस्त, 2025 को नई दिल्ली में भारत-न्यूजीलैंड रक्षा रणनीतिक वार्ता (Defence Strategic Dialogue) का पहला संस्करण आयोजित किया गया। यह न केवल दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को गहराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल थी, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में उभरती सुरक्षा चुनौतियों के संदर्भ में एक नए रणनीतिक तालमेल की शुरूआत भी मानी जा सकती है। इस संवाद की सह-अध्यक्षता भारत के रक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव (अंतरराष्ट्रीय सहयोग) अमिताभ प्रसाद और न्यूजीलैंड रक्षा मंत्रालय की अंतरराष्ट्रीय शाखा की प्रमुख मिस कैथलीन पियर्स ने की। वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण में सहयोग बढ़ाने, समुद्री सुरक्षा और रक्षा उद्योग में साझेदारी को सशक्त करने, बहुपक्षीय सहयोग के क्षेत्रों का विस्तार करने, ग्लोबल कॉमन्स (जैसे कि समुद्री क्षेत्र, साइबर स्पेस आदि) से संबंधित मुद्दों पर सामंजस्य बढ़ाने सफल कमान संभालने के लिए सराहना की, जिसमें भारतीय नौसेना के पाँच जवान भी स्टाफ के रूप में तैनात थे। यह तथ्य दोनों देशों के बीच अंतर-संचालन और विश्वास का प्रतीक है। हम आपको याद दिला दें कि मार्च 2025 में दोनों देशों के बीच एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसके अंतर्गत यह संवाद स्थापित किया गया। इस MoU ने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को औपचारिक और संस्थागत रूप प्रदान किया है। देखा जाये तो यह वार्ता सिर्फ एक द्विपक्षीय चर्चा नहीं थी, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नवीन शक्ति संतुलन और साझी रणनीतियों के निर्माण की प्रक्रिया का हिस्सा है। भारत और न्यूजीलैंड दोनों ही लोकतांत्रिक मूल्य, खुले समुद्री मार्गों की सुरक्षा, और कानून आधारित वैश्विक व्यवस्था में विश्वास रखते हैं। हम आपको बता दें कि राजनयिक और रक्षा सहयोग के साथ-साथ दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, शैक्षणिक और खेल–विशेषकर क्रिकेट–के माध्यम से भी मजबूत संबंध हैं। अगस्त 2024 में भारत के राष्ट्रपति की न्यूजीलैंड यात्रा और मार्च 2025 में दोनों प्रधानमंत्रियों की बैठक ने द्विपक्षीय रिश्तों को नई ऊँचाई दी है। बहरहाल, भारत-न्यूजीलैंड रक्षा रणनीतिक संवाद एक ऐसा मंच बनकर उभरा है, जो केवल सुरक्षा सहयोग तक सीमित नहीं है।

आपरेशन सिंदूर : सिर्फ बहस, जवाब गायब

राजेंद्र शर्मा

आखिरकार, संसद को पहलगाम के बैसरन में आतंकवादियों द्वारा किए गए हत्याकांड से लेकर, उसके बदले के नाम पर छेड़े गए आपरेशन सिंदूर तक पर चर्चा का मौका मिल ही गया। बेशक, इस सिलसिले में यह दर्ज किया जाना जरूरी है कि संसद को बैसरन हत्याकांड के पूरे तीन महीने और ऑपरेशन सिंदूर के भी रोके जाने के करीब ढाई महीने बाद, चर्चा का यह मौका मिला। और राष्ट्रीय सुरक्षा के इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर संसद में चर्चा होने में यह विलंब कोई संयोग का या तात्कालिक व्यस्तताओं में समय न मिल पाने का नतीजा नहीं था। यह विलंब मौजूदा सरकार ने सचेत रूप से सुनिश्चित किया था। और इसे सचेत रूप से सुनिश्चित करने में इस मुद्दे पर संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने की एकजुट विपक्ष की मांग का ठुकराया जाना ही शामिल नहीं था बल्कि इसका रास्ता बनाने के लिए, एक अनोखी तिकड़म का सहारा लिया जाना भी शामिल था, जिसके तहत अब तक के संसदीय इतिहास में पहली बार, डेढ़ महीने से भी ज्यादा पहले, संसद के आगामी सत्र की तारीखों का ऐलान किया गया था। यह एक प्रकार से शिवशेष सत्रश की विपक्ष की मांग के ठुकराए जाने का भी ऐलान था। बेशक, अंततः हुई इस चर्चा को इस अर्थ में विस्तृत या विशद चर्चा कहा जा सकता है कि इसमें दोनों सदनों में सभी पक्षों को समुचित समय ही नहीं मिला, सरकार की ओर से शीर्ष स्तर से इस चर्चा का जवाब भी दिया गया। लोकसभा में खुद प्रधानमंत्री ने पौने दो घंटे से भी कुछ ज्यादा लंबा जवाब दिया, जबकि राज्यसभा में मोदी सरकार में व्यवहार में

नंबर-दो माने जाने वाले, गृहमंत्री अमित शाह ने जवाब देने की जिम्मेदारी संभाली। इस बहस में सत्तापक्ष के इस पूरे प्रकरण में सफलता के दावों को जैसे बल प्रदान करने के लिए ही, लोकसभा में इस बहस के शुरू होने से सिर्फ एक दिन पहले, जम्मू-कश्मीर में एक मुठभेड़ में तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया था, जिनके संबंध में गृहमंत्री ने पहले लोकसभा को और बाद में राज्यसभा को बताया कि यही तीनों बैसरन के कत्लेआम को अंजाम देने वाले आतंकवादी थे। इस दावे को प्रामाणिक बनाने के लिए गृहमंत्री ने विस्तार से फोरेंसिक लेबोरेटरी की जांच रिपोर्टों के बारे में बताया, जो इसका साक्ष्य प्रस्तुत करती थीं कि अब मारे गए आतंकवादियों की बंदूकों से ही वे गोलियां चली थीं, जिन्होंने बैसरन के घास के मैदान में 26 लोगों की जान ली थी। यह दूसरी बात है कि पर्यटकों के हत्यारों का, दहशतगर्दी की वारदात के बाद तीन महीने तक गायब रहने के बाद, गृहमंत्री के लोकसभा में भाषण से एक ठीक एक दिन पहले सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में मारा जाना, सत्तापक्ष के लिए इतना ज्यादा सुविधाजनक संयोग था कि उस पर सहज ही विश्वास नहीं हो सकता था। बहस के दौरान विपक्ष के अनेक सांसदों ने इशारों में और कुछ ने सीधे-सीधे इस संयोग पर सवाल खड़े भी किए। लेकिन, सत्तापक्ष के सभी लक्ष्यों को हासिल करने में कामयाबी के दावों के लिए, इस ऑपरेशन महादेव की कामयाबी का यह दावा बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण था। इसके महत्व का अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि संसद की इस बहस के फौरन बाद, अपने चुनाव क्षेत्र वाराणसी के अपने दौरे पर प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक सभा में जोर देकर इसका दावा किया कि महादेव के आशीर्वाद से पहलगाम के बदले का अपना वादा उन्होंने पूरा कर दिया है। बैसरन से लेकर सिंदूर तक पर संसद में हुई यह बहस लंबी तो जरूर थी, लेकिन जो कुछ हुआ उस पर, उसके कारणों पर और भविष्य के लिए उसके सबकों पर, शायद ही कोई रोशनी डालती थी। संक्षेप में इसकी मूल वजह थी, सत्तापक्ष की हर तरह की जवाबदेही तथा जिम्मेदारी से बचने की कोशिश।

इस कोशिश में सत्तापक्ष ने जवाबी हमले के नाम पर शोर तो बहुत उठाया लेकिन, न विपक्ष के माध्यम से उठाए गए देश तथा दुनिया भर के लोगों के सवालों का कोई वास्तविक जवाब दिया और न ही किसी तरह से अपनी जवाबदेही स्वीकार की। बहस की इस दिशा का अंदाजा एक इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री के पौने दो घंटे से भी लंबे भाषण में, विपक्ष तथा खासतौर पर मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस पर हमला करने के लिए, देश के पहले प्रधानमंत्री, जवाहरलाल नेहरू का पूरे पंद्रह बार नाम लिया गया।

कुदरत का कोहराम

मानसून की दस्तक के साथ ही हिमाचल व उत्तराखंड में दरकते पहाड़ व रौद्र रूप दिखाती नदियां चिंता बढ़ाने वाली हैं। कुदरत के कहर के सामने इंसान बौना ही नजर आता है। तमाम मुख्य नदियां उफान पर हैं। जगह-जगह भूस्खलन से सड़कें ठप पड़ी हैं। हिमाचल में मूसलाधार बारिश के बीच मलबा व पत्थर गिरने से सैकड़ों सड़कें बंद हो गई हैं। सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। पहले हम गर्मी से त्रस्त होकर बारिश की आस लगाए होते हैं, लेकिन जब बारिश आती है तो स्थितियां डराने वाली हो जाती हैं। निस्संदेह ग्लोबल वार्मिंग संकट के चलते बारिश के पैटर्न में बड़ा बदलाव आया है। बारिश कम समय में ज्यादा मात्रा में बरसती है। जिससे न केवल पहाड़ों में कटाव बढ़ जाता है बल्कि पानी के साथ भारी मात्रा में मलबा गिरकर रास्तों व पानी के प्राकृतिक मार्गों को अवरुद्ध कर देता है। यह संकट इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि हमने पहाड़ों को विलसिता का केंद्र बना दिया है। तीर्थाटन अब पर्यटन जैसा हो गया है। पर्यटकों के वाहनों से छोटी सड़कें और पुल दबाव में हैं। नीति-नियंताओं ने पहाड़ों में सड़कों को फोर लेन-सिक्स लेन बनाने का जो उपक्रम किया है, उससे पहाड़ों का नैसर्गिक वातावरण खतरे में है। पहाड़ों के किनारे काटने से भूस्खलन की गति तेज हुई है। गाहे-बगाहे पहाड़ों का मलबा सड़कों पर गिरकर यातायात को

अवरुद्ध कर देता है। यात्रियों के जीवन पर हर समय संकट बना रहता है। हिमाचल की ही तरह से कुदरत के कोहराम से उत्तराखंड भी बुरी तरह त्रस्त है। भागीरथी, अलकनंदा, मंदाकिनी व पिंडर आदि नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। चारधाम यात्रा मार्ग पर मलबा गिरने की घटनाएं बढ़ने से यात्रा कुछ समय के लिये स्थगित की गई है। बार-बार भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया जा रहा है। जगह-जगह सड़कों के कटने से सैकड़ों यात्री फंसे हुए हैं। कई गांवों को जोड़ने वाली सड़कें बह गई हैं। बादल फटने की आशंका भी लगातार बनी रहती है। बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री जाने वाले मार्ग जगह-जगह बाधित हैं। भारी बारिश की आशंका को देखते हुए स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टियां घोषित की गई हैं। सामान्य जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कई मोटरमार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हुए हैं। कई छोटे पुल बह गए हैं। कई निचले स्थानों से लोगों को हटाया गया है। कुल मिलाकर लाखों लोगों को अतिवृष्टि ने बंधक बना दिया है। निश्चित रूप से तेज बारिश और उसके प्रभाव इंसानी नियंत्रण से बाहर होते हैं। लेकिन इसके बावजूद पहाड़ी इलाकों में विकास के मॉडल पर नये सिरे से विचार करने की जरूरत है। पहाड़ अध्यात्म के केंद्र भी रहे हैं, उन्हें पर्यटकों की विलसिता का केंद्र नहीं बनाया जाना चाहिए। हमें अपेक्षाकृत नये हिमालयी पहाड़ों और उसके परिस्थितिकीय तंत्र के प्रति संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए। ज्यादा मानवीय हस्तक्षेप से ग्लेशियर पिघल रहे हैं और नदियों का बढ़ा जल संकट का कारण भी बन रहा है।

लखनऊ महानगर भाजपा कार्यालय में अटल कल्याण सभागार का शिलान्यास, संगठन के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम डॉ राजेश्वर सिंह

अटल कल्याण सभागार का भूमि पूजन सम्पन्न, विधायक डॉ राजेश्वर सिंह ने कहा विचार और संगठन के विस्तार की दिशा में सशक्त पहल,भाजपा की विचारधारा और सेवा संकल्प का नया केंद्र बनेगा अटल कल्याण सभागार- डॉ राजेश्वर सिंह,संगठन को ऊंचाइयों तक ले जाने वाली आधारशिला - लखनऊ में अटल कल्याण सभागार का शिलान्यास

माई सिटी

लखनऊ, भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर द्वारा आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में नव–निर्माणाधीन 'अटल कल्याण सभागार' का भूमिपूजन एवं शिलान्यास विधिवत संपन्न हुआ। आयोजन में सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने भी उपस्थित होकर अपनी सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने भूमि पूजन अनुष्ठान में भाग लिया और उपस्थित कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहारू यह सभागार महानगर कार्यालय में संगठनात्मक गतिविधियों के सशक्त संचालन का केंद्र बनने के साथ–साथ विचार–चिंतन, प्रशिक्षण एवं संवाद का प्रमुख मंच बनेगा। ष्प्रत्येक भाजपा कार्यालय केवल एक भवन नहीं, बल्कि विचार, प्रतिबद्धता और सेवा के मूल्यों का जीवंत केंद्र होता है। यह नव–निर्मित अटल कल्याण सभागार निश्चित रूप से संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाने का माध्यम बनेगा तथा राष्ट्रसेवा और विचारधारा से जोड़ने वाली प्रेरणाओं का संचार भी होगा। उन्होंने लखनऊ महानगर भाजपा परिवार को इस नवप्रारंभ के लिए हार्दिक बधाई देते हुए कामना की कि यह सभागार यशस्वी हो, प्रेरणास्पद बने और संगठन के उद्देश्यों की पूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। इस विशेष अवसर पर प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री धर्मपाल सिंह, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री त्र्यंबक त्रिपाठी, प्रदेश महामंत्री श्री संजय राय, महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, विधायक डॉ. नीरज बोरा, सांसदगण एवं पूर्व सांसदगण, विधान परिषद सदस्यगण, वरिष्ठ पदाधिकारी एवं समर्पित कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। जनसेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और संवेदना में निरंतर संलग्नकृडॉ. राजेश्वर सिंह की सक्रिय सहभागिता डॉ. राजेश्वर सिंह की सौगातकृरघुनाथ एकेडमी को 10 कंप्यूटर के साथ डिजिटल लाइब्रेरी की सौगात श्री रघुनाथ एकेडमी के संस्थापक एवं पूर्व प्रधानाध्यापक डॉ. जय सिंह चौहान जी के दीर्घकालिक शैक्षिक योगदान की सराहना करते हुए डॉ. राजेश्वर सिंह ने विद्यालय परिसर में उनसे भेंट की और राम दरबार की भेंट देकर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने एकेडमी को 10 कंप्यूटर उपलब्ध कराते हुए डिजिटल लैब स्थापित किए जाने की घोषणा भी की, जिससे विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा का लाभ मिलेगा। शोक की घड़ी में मानवीय करुणा का भाव वरिष्ठ भाजपा नेता भूपेंद्र शर्मा जी के पिता और फिर बहू के आकस्मिक निधन की अत्यंत दुखद सूचना प्राप्त होने पर डॉ. राजेश्वर सिंह सरोजनीनगर की सैनिक सोसाइटी स्थित उनके आवास पहुंचे। उन्होंने शोक संतप्त परिवार से भेंट कर सांत्वना दी और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। कार्यकर्ताओं के स्वास्थ्य की चिंताकृसमर्पण और संवेदना का परिचय वरिष्ठ भाजपा नेता भुवनेन्द्र सिंह 'मुन्ना' जी के अस्वस्थ होने की जानकारी मिलते ही डॉ. सिंह ने पिपरसंड स्थित उनके आवास जाकर उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए उन्हें राम दरबार की प्रतिमा भेंट की। विधायक डॉ राजेश्वर सिंह ने की श्रद्धा और सामाजिक सहभागिता महाराजा बिजली पासी द्वितीय वार्ड के पार्षद प्रतिनिधि लवकुश रावत के पूज्य पिताजी के निधन पर आयोजित शांति पाठ (महामृत्युंजय जाप) कार्यक्रम में डॉ. सिंह सम्मिलित हुए। उन्होंने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और परिजनों को धैर्य एवं शक्ति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। वरिष्ठ पत्रकार की माता जी के निधन पर डॉ. राजेश्वर सिंह की संवेदना दैनिक जागरण के सजग प्रतिनिधि श्री आशीष सिंह जी की माता जी के निधन की सूचना पर डॉ. सिंह उनके बंथरा स्थित आवास पहुंचे और श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने पत्रकारिता परिवार की इस क्षति पर दुख प्रकट करते हुए शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दी। डॉ. राजेश्वर सिंह दृ एक जनप्रतिनिधि, जो हर परिस्थिति में जनता के साथ खड़ा है, कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी हो, संगठनात्मक विस्तार की प्रेरणा हो, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी पहलों में सहयोग हो या दुःख की घड़ी में संवेदनाकृ डॉ. राजेश्वर सिंह निरंतर जनसेवा, संगठन और समाज के प्रति प्रतिबद्धता का परिचय दे रहे हैं। उनके नेतृत्व में सरोजनीनगर क्षेत्र न केवल विकास के नए कीर्तिमान गढ़ रहा है, बल्कि सामाजिक सरोकारों के प्रति भी जागरूकता का केंद्र बनता जा रहा है।

राज्य कर्मचारीसंयुक्त परिषद की जूम मीटिंग में लिया गया महत्वपूर्ण निर्णय

पूर्व निर्धारित आदोलन को एक माह आगे बढ़ाया गया ,नए मुख्य सचिव को कर्मचारियों की मांगों पर बैठक कर निर्णय लेनेक के लिए एक माह का समय दिया गया ,4 सितंबर से होगा कर्मचारी जागरण अभियान

माई सिटी

लखनऊ । राज्य कर्मचारीसंयुक्त परिषद की एक बैठक जूम के माध्यम से संपन्न हुई। बैठक में कर्मचारियों की लंबित मांगों पर शासन स्तर पर की गई कार्यवाही की समीक्षा की गई तथा प्रदेशमे नए मुख्य सचिव के कार्य भार ग्रहण करने की परिस्थितियों की समीक्षा करते हुए 4 अगस्त 2025 से प्रस्तावित कर्मचारी जागरण अभियान का कार्यक्रम एवं संयुक्त परिषद द्वारा घोषित अन्य सभी कार्यक्रमोंक एक माह आगे बढ़ा दिया गया है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने अवगत कराया है कि परिषद की 13 जुलाई 2025 को कार्यकारिणी की बैठक हुई थी, जिसमें 4 अगस्त से कर्मचारी जागरण अभियान शुरू करने का निर्णय लिया गया था। वर्तमान में प्रदेश में नए मुख्य सचिव के कार्यभार ग्रहण करने से परिस्थितियों में परिवर्तन आया है। परिवर्तित परिस्थितियों पर विचार करते हुए संयुक्त परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारी के परामर्श से कर्मचारियों की मांगों पर कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए एक माह का अतिरिक्त समय देने का निर्णय लिया गया है । 4 अगस्त से प्रस्तावित कार्यक्रम अब 4 सितंबर से शुरू किया जएगा। यह भी निर्णय लिया गया है कि संयुक्त परिषद अपनी मांगों का ज्ञापन मुख्य सचिव को प्रेषित करते हुए कर्मचारियों की मांगों पर एक माह में निर्णय कराए जाने का अनुरोध करेगी। यदि 1 माह के अंदर संयुक्त परिषद के प्रतिनिधि मंडल के साथ वार्ता कर निर्णय नहीं किया जाता तो 4 सितंबर से कर्मचारी जागरण का अभियान एवं अन्य कार्यक्रमों की शुरुआत की जाएगी। संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने वर्तमान मुख्य सचिव से संयुक्त परिषद की मांगों पर वार्ता कर समस्याओं का निराकरण कराए जाने का अनुरोध किया है। कार्मिक विभाग के लगातार निर्देशों के बावजूद भी विभागीय संगठनों के साथ वार्ता नहीं हो रही है जिसके कारण समस्याओं का निस्तारण लंबित पड़ा हुआ है । खाद्य रसद विभाग में कार्मिक विभाग की स्थानांतरण नीति के विरुद्ध संगठन के अधिकारियों का स्थानांतरण कर दिया गया है, जिसको संयुक्त परिषद के अनुरोध के बावजूद भी स्थगित नहीं किया गया है। आउटसोर्स कर्मचारियों का न्यूनतम मानदेय निर्धारण एवं आउटसोर्स कर्मचारी निगम के गठन का मामला भी अभी तक अधर में लटका हुआ है। संयुक्त परिषद की जूम बैठक में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी, महामंत्री अरुणा शुक्ला, कार्यवाहक अध्यक्ष निरंजन कुमार श्रीवास्तवव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नारायण जी दुबे, उपाध्यक्ष त्रिलोकीनाथ चौरसिया, शिवा कांत द्विवेदी, प्रीति पांडे ,हर्ष कुमार सिंह ने मुख्य रूप से प्रतिभाग किया।

हादसे में कार सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल

बांगरमऊ उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में आगरा लखनऊ एक्सप्रेस–वे पर तेज रफ्तार कार ट्रेलर के पीछे जा टकराई। हादसे में चालक और उसकी महिला रिश्तेदार दो सवार गंभीर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची यूपीडा रेस्क्यू टीम घायलों को यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। दोनों घायलों को नाजुक

हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया। दिल्ली के 62/1 बाड़ा हिंदू राव निवासी नाजिम 39 वर्ष पुत्र नानू अपनी अपनी रिश्तेदार हारिया 31 वर्ष पुत्री अब्दुल फरीन निवासी सूरजकुंड नोएडा को लेकर कार से लखनऊ की ओर जा रहा था। तभी रास्ते में आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर स्थित हरदोई मार्ग अंडरपास के निकट तेज रफ्तार कार ट्रेलर के पीछे जा घुसी। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए और कार चालक और उसकी रिश्तेदार युवती दोनों गंभीर घायल हो गए। रास्ते से गुजर रहे वाहन चालकों की सूचना पर पहुंची यूपीडा रेस्क्यू टीम ने आनन–फानन दोनों घायलों को किसी तरह कार से निकालकर एंबुलेंस से यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखकर दोनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। यूपीडा रेस्क्यू टीम ने कार और ट्रेलर दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सुरक्षित स्थानों पर खड़ा कर मार्ग पर आवागमन बहाल कराया।

पीड़ित ने नाली बंद करने व जानमाल की धमकी देने का लगाया आरोप

उन्नाव। अजगैन थाना क्षेत्र के रहने वाले ग्रामीण ने अपने पड़ोसियों पर घर की नाली व आवागमन बाधित करने का आरोप लगाते हुए डीएम व एसपी को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। पीड़ित का आरोप है कि बरसात में जलभराव होने के कारण उसका परिवार नारकीय जीवन जीने के लिए मजबूर है। अजगैन थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भौली निवासी दिलीप कुमार पुत्र स्व राम बिलास ने जिलाधिकारी गौरांग राठी व पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर से प्रार्थना पत्र देकर अपनी पीड़ा सुनाई। उसने बताया कि उसके घर के सामने पड़े सहन से वह खड़ंजा मार्ग तक पहुंचता है और उसके घर की पैतृक नाली भी उसी सहन से होकर जाती है। लेकिन उसके वंशज रूपचंद्र पुत्र स्व गिरजा शंकर ने मिट्टी डालकर नाली का पानी निकास व आवागमन बंद कर दबंगई दिखा रहे हैं। विरोध करने पर आरोपी गाली गलौज व मारपीट पर आमादा हैं। स्थानीय प्रशासन व कुछ शेरे पुस्त उनकी मदद करते हैं जिससे पीड़ित का परिवार दहशत में है। पीड़ित ने बताया कि विपक्षी के सहयोगी सचिन उर्फ मंगू व मनीष आदि लगातार धमकियां दे रहे हैं। इससे पहले भी कई बार आरोपी पक्ष ने विवाद करके पीड़ित परिवार को प्रताड़ित किया है जिसके साक्ष्य उसके घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हैं। पीड़ित दिलीप कुमार ने बताया कि स्थानीय प्रशासन ने कभी पीड़ित परिवार की मदद नहीं की। इसलिए ऊबकर जिले के डीएम और एसपी से मिलकर अपना दुखड़ा सुनाया है।

संदिग्ध अवस्था में एक युवक का शव फांसी के फंदे पर लटकता हुआ पाया गया

बांगरमऊ उन्नाव। बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र में एक युवक का शव संदिग्धावस्था में छप्पर के नीचे फांसी के फंदे पर लटकता हुआ पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेज दिया। युवक की अचानक मौत से परिजनों में चीख–पुकार मची हुई है। ग्राम कबीरपुर निवासी इंद्रपाल के बेटे मनोज 22 वर्ष का शव बुधवार को सुबह उसकी फूस के छप्पर के नीचे फांसी के फंदे पर लटकता हुआ पाया गया। युवक को फांसी पर लटका देखकर परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की खबर फैलते ही सैकड़ों ग्रामीण घटनास्थल पर जा पहुंचे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया। ग्रामीणों के अनुसार युवक फांसी के फंदे पर घुटनों के बल लटक रहा था। जिससे ग्रामीणों में घटना को लेकर संदेह बना हुआ है। थाना प्रभारी मुन्ना कुमार ने बताया कि शव पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है। रिपोर्ट मिलने पर मृत्यु का कारण ज्ञात हो सकेगा। अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है। सूत्रों के अनुसार मृतक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। उसकी मां गुड्डी सहित दोनों छोटे भाई दिल्ली में रहकर मेहनत–मजदूरी करते हैं। जबकि मनोज अकेले ही गांव में रहता था और मेहनत मजदूरी कर गुजर–बसर करता था। ग्रामीणों में यह भी चर्चा है वह मादक पदार्थों का सेवन भी करता था। फिलहाल घटना की सूचना दिल्ली में रह रहे मृतक के परिजनों को दे दी गई है।

जंगल में वृद्ध महिला पड़ी मिली

असोहा उन्नाव। –थाना क्षेत्र के असावर गांव के पास स्थित जंगल में बुधवार को लगभग 60 वर्षीय महिला पड़ी हुई मिली। खेत गए ग्रामीणों ने वृद्धा को जंगल में पड़ा देख पुलिस को सूचना दी। वही उक्त महिला की फोटो भी किसी ने इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर दिया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला से पूछताछ की है। लेकिन महिला कुछ बता नहीं पा रही है। पुलिस ने उसे एंबुलेंस से सीएचसी भिजवाया है।ग्रामीणों में चर्चा है कि कुछ महिलाएं वृद्धा को यहां छोड़कर चली गई थी। जिसके बाद से उक्त महिला यही आसपास घूम रही थी। थाना प्रभारी निखलेश कुमार ने बताया कि महिला मानसिक मंदित है। पूछने पर कुछ बता नहीं पा रही है।

उठो इंडिया जागो द्वारा मिशन गिफ्ट ए प्लांट जन आंदोलन की हुई शुरुआत

माई सिटी

उठो इंडिया जागोष एक ऐसा जनआंदोलन है जो भारतवासियों को उनके कर्तव्यों की याद दिलाता है, सिर्फ अधिकारों की नहीं। ये सभी भारतवासियों के लिये आत्मनिरीक्षण और आत्मजागरण का संवीदेश है। इस अभियान के तहत् हम अपनें शब्दों और कर्मों के जरिए लोगों को जागृत कर रहे हैं कि हर भारतीय, पर्यावरण, शिक्षा और संस्कृति की रक्षा में आगे आये, और हम सब मिलकर एक नैतिक, जागरूक और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकें। पर्यटन का मुद्दा हो या प्रगति की दौड़, एक प्रमुख मुद्दा जो भारत को, पीछे धकेल रहा है, वो है, पर्यावरण का। 2023 में टोटल इंटरनेशनल टूरिस्ट्स 130 करोड़ थे, जिसमें से मात्र 86 लाख पर्यटक ही भारत आये, अर्थात 0.66: ओनली, और पर्यटकों के कम रहनें में सबसे बड़े आरोपी हैं, अस्वच्छता और दूषित पर्यावरण। द एनवायरमेंटल परफॉर्मेंस इंडेक्स (एपी), येल – कोलंबिया यूनिवर्सिटीज, द्वारा, पर्यावरण के मुद्दों पर तमाम् देशों की 40 से अधिक मानकों, जिसमें, एयर क्वालिटी, क्लाइमेट चेंज पॉलिसी, वॉटर – सैनिटेशन, आदि शामिल हैं, पर आधारित रैंकिंग है, 180 देशों की इस एपी रैंकिंग में हमारे देश, भारत को 2022 में 180 देशों में से 180वां स्थान मिला। और 2024 में 176वां स्थान। और यह हमारे देश में प्रदूषण की स्थिति की भयावहता को दर्शाता है। यह सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, यह एक गंभीर चेतावनी है, हमारी हवा जहरीली हो रही है, पीने का पानी दुर्लभ होता जा रहा है, शहरों की गर्मी बढ़ती जा रही है, और हर साल लाखों लोग वातावरण जनित बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। इसके साथ ही एक और बड़ा खतरा धीरे–धीरे सिर उठा रहा है, और वो है, धरती का फेफड़ा कहे जाने वाले अमेज़न के जंगल की कटाई। मात्र पिछले 5 सालों में अमेज़न वन की 40,000 केएम2 ज़मीन पर से जंगल को काट दिया गया। अमेज़न के जंगल से पैदा होने वाली ऑक्सीजन से भारत को सीधे तौर पर भले ही फायदा न हो, पर ग्लोबल वार्मिंग के तहत् यहाँ भी तापमान में अतिशय वृद्धि होगी। मिशन गिफ्ट ए प्लांट परिचय एवं उद्देश्य उठो इंडिया जागो का ये लक्ष्य है कि 2026 के अन्त तक भारत की एपी रैंकिंग, 176 से 150 पर आ जाये। इस लक्ष्य को प्राप्त करनें के लिये वैज्ञानिक समाधान की आवश्यकता है, और वह समाधान है – पेड़।

08 अगस्त सुबह 06 बजे से 10 अगस्त रात्रि 12 बजे तक फ्री यात्रा की सुविधा होगी उपलब्ध

रक्षाबंधन पर्व पर सभी माताओं/बहनों/बेटियों को उपलब्ध होगी नि:शुल्क परिवहन सेवा ,रक्षाबंधन पर्व पर चलेंगी अतिरिक्त बसे

माई सिटी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह ने रक्षाबंधन पर्व पर परिवहन सेवा सुलभ कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि 07 अगस्त से 12 अगस्त,2025 तक (06दिन) की अवधि में अधिक से अधिक बसों का संचालन कराया जाए, जिससे कि लोगों को रक्षाबंधन पर्व पर आवागमन में कोई असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि उक्त अवधि में शत–प्रतिशत बसों को आनरोड किया जाए। बसों में आवश्यक कलपुर्जे एवं असेम्बलीज की व्यवस्था पूर्व से करा ली जाए। इस दौरान विषम परिस्थितियों को छोड़कर सभी अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाए। कोई भी अधिकारी कार्य स्थल से बिना सूचना दिये नहीं छोड़ेगा। परिवहन मंत्री ने बताया कि मा० मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश,योगी आदित्यनाथ जी की घोषणानुसार रक्षाबंधन पर्व पर इस वर्ष भी 08 अगस्त, 2025 की सुबह 06 बजे से 10 अगस्त, 2025 की मध्य रात्रि 12 बजे तक सभी माताओं/बहनों/बेटियों को परिवहन निगम निःशुल्क परिवहन सेवा उपलब्ध करायेगी। परिवहन निगम द्वारा संचालित सभी श्रेणी की बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध रहेगी। एमडी परिवहन निगम श्री मासूम अली सरवर ने परिवहन मंत्री के निर्देश पर रक्षाबंधन पर्व पर आवश्यकतानुसार अतिरिक्त बसों का संचालन कराये जाने के निर्देश सभी क्षेत्रीय परिवहन निगम के अधिकारियों को दिये हैं। उन्होंने कहा कि इस अवधि में समस्त अनुबंधित बसों का संचालन कराया जाए और कर्मचारियों की ड्यूटी रोस्टर के तहत लगाये जाए। समस्त क्षेत्रों द्वारा यात्रियों की उपलब्धता के अनुसार विभिन्न गन्तव्यों के लिए अतिरिक्त बसों का संचालन सुनिश्चित कराये। बसों एवं बस अड्डों की साफ–सफाई बेहतर रखें। चेकिग दल मार्गों की सघन चेकिंग करे, ब्रेथ एनलाइजर के माध्यम से चालक एवं परिचालक की एल्कोहल जांच कराई जाए। जिससे कि सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो सके। सभी स्टापेज के अलावा मार्ग के मध्य में मिलने वाले यात्रियों को भी बसों में बैठने की सुविधा मिलेगी। एमडी परिवहन निगम ने बताया कि ऐसे चालक/परिचालक जिसमें संविदा के चालक परिचालक भी सम्मिलित होंगे, उक्त अवधि में उपस्थित होकर दैनिक रूप से बस संचालन करते हुए 1800 किमी0 का संचालन पूर्ण करते हैं तो रूपये 1200 की प्रोत्साहन उन्हें प्राप्त होगी। प्रोत्साहन अवधि में 06 दिवस कार्य करने एवं उक्त निर्धारित किमी0 से अधिक किमी0 अर्जित करने पर 55 पैसे प्रति किमी0 की दर से अतिरिक्त भुगतान देय होगा। इसी प्रकार डिपो एवं क्षेत्रीय कार्यशाला के तकनीकी कर्मचारी इस अवधि में प्रत्येक दिन उपस्थित होते हैं तो उन्हें एकमुश्त 500 रूपये की प्रोत्साहन राशि प्राप्त होगी। उन्होंने आग्रह किया कि सेवा प्रदाता परिचालको को अपने स्तर से अधिक दिवस ड्यूटी हेतु प्रेरित करेंगे।प्रोत्साहन अवधि में योजना की प्रात्रता हेतु सेवा का लोड फैक्टर 64 प्रतिशत अधिक होने पर संबंधित चालक/परिचालक को प्रोत्साहन राशि देय होगी। गत वर्ष रक्षाबंधन के अवसर पर संचालित बस उपयोगिता की तुलना में इस वर्ष रक्षाबंधन के समय संचालन में बस उपयोगिता कम आने पर प्रोत्साहन राशि देय नहीं होगी। एमडी परिवहन निगम ने निर्देश दिये हैं गाजियाबाद, मुरादाबाद, मेरठ, बरेली, लखनऊ, सहारनपुर, आगरा, अलीगढ़, कानपुर एवं इटावा बस स्टेशनों पर यात्रियों की उपलब्धता अधिक रहती है। उक्त बस स्टेशनों पर आवश्कतानुसार अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए। उक्त बस स्टेशनों पर तैनात कार्मिकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रोत्साहन धनराशि के उद्देश्य से 5000 रूपये प्रति स्टेशन की दर से प्रदान की जायेगी। उक्त बस स्टेशनों का रक्षाबंधन के पर्व पर बसों की संचालन व्यवस्था बनाये रखने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों एवं पर्यवेक्षकों को उक्त बस स्टेशनों के क्षेत्रीय प्रबंधक स्वविवेक से प्रोत्साहन राशि का वितरण करेंगे।

तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने मारी टक्कर मौके पर हुई मौत

असोहा उन्नाव। थाना असोहा क्षेत्र के गांव निवासी कृष्ण कुमार की तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने मारी टक्कर मौके पर ही कृष्ण कुमार ने दम तोड़ा कृष्ण कुमार 45 वर्ष पुत्र ईश्वर दीन लोधी संभू खेड़ा मजरा मालिहा गाढ़ा किसी काम से अपनी पत्नी बिंदा देई के साथ किसी काम से संड़ौली जा रहा था। तभी संड़ौली के सामने मौरावां की ओर से आ रही तेज रफ्तार मोटरसाइकिल आर वन फाइव यू पी 32 क्यू एफ 4135 ने सामने से टक्कर मार दी जिससे कृष्ण कुमार की मौके पर ही मृत्यु हो गई कृष्ण कुमार अपने पीछे पत्नी बिन्दा देई दो लड़के व एक लड़की राजकुमार 15 वर्ष, अनुज 10 वर्ष, पुत्री रागिनी 8 वर्ष को छोड़ गया। सूचना पर पहुंचे कालूखेड़ा चौकी इंचार्ज मृत्युंजय बहादुर मय पुलिस बल के साथ पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक बाइक चालक कुड़ौनी थाना बंथरा जनपद लखनऊ का रहने वाला है। वह पुलिस के कब्जे में है पत्नी बिन्दा देई व बच्चों का रो रो कर बुरा हाल है।

सड़क दुर्घटना में पति की मौत के बाद पत्नी ने अज्ञात बाइक चालक के विरुद्ध दर्ज कराया मुकदमा

भगवंतनगर उन्नाव। बिहार थाना क्ष्रेत्र के गांव पनई खुर्द निवासी सोनू साहू पुत्र पुत्ती लाल अपने पड़ोसी मलखान सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह के साथ गत 22 जुलाई को मोटर साईकिल मे पीछे बैठ कर भगवंतनगर बाजार गये थे। बाजार से वापस आते समय पावर हाउस भगवंतनगर के पास फोन आ जाने के कारण रोड के बायी तरफ मोटर साईकिल खड़ी कर बात करने लगे तभी पीछे से आ रही मोटर साईकिल संख्या न्च 35 ठट 0335 का अज्ञात चालक बड़ी तेजी व लापरवाही से चलाते हुए जोरदार टक्कर मार दी थी जिससे दोनो ही लोग दुर्घटना स्थल पर ही गिर गये। प्राथमिक उपचार उपरांत जिला अस्पताल से हैलेट कानपुर ले जाया गया जहां 31 जुलाई को सोनू सिंह को मृत घोषित कर दिया गया। सोनू सिंह की पत्नी संगीता सिंह द्वारा थाना बिहार में तहरीर दिए जाने पर पुलिस ने अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

लड़की को भगा ले जाने का पिता ने युवक पर लगाया, मुकदमा दर्ज

बीघापुर उन्नाव। थाना बिहार अन्तर्गत पुत्री के चले जाने पर पिता ने एक युवक को नामजद कर मुकदमा दर्ज कराया है। थाना क्षेत्र में लगभग रोजाना ही लड़कियों के भाग जाने का सिलसिला चल रहा है। इसी क्रम में पिता ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि वह व उसकी औरत खेतों में धान की बेड लगा रहे थे। इसी समय उसकी 21 वर्षीय बेटी पानी लेकर खेत आयी व पानी देकर चली गई। मौका देख शिवम पुत्र सुरेन्द्र कुमार उर्फ पप्पू यादव ग्राम माधवगंज मेरी लडकी स्नेहा को बहला फुसला कर माया जाल में फसा कर भगा ले गया है। मेरी लडकी अपने साथ सोने की जंजीर व 4 जोडी तोड़िया चांदी की साथ मे ले गयी। मेरी लड़की को भगाने मे सुरेन्द्र कुमार पुत्र राम आसरे यादव व सुरेन्द्र कुमार व शैलेश पुत्र सुरेन्द्र कुमार यादव भी शामिल थे। फिलहाल पुलिस ने तहरीर में नामित लोगो पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

छात्र छात्राओं ने अपने हाथों राखियां बनाकर सैनिकों को भेजा

बीघापुर उन्नाव। विकास खंड सुमेरपुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय कम्पोजिट मलय पुर व सुमेरपुर के छात्र छात्राओं ने स्वनिर्मित राखियां बना देश के सैनिकों के लिए रक्षाबंधन व स्वतंत्रता अगस्त की तैयारियां कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बेसिक शिक्षा विभाग उन्नाव के दिशा–निर्देशों के क्रम में विकास खंड अन्तर्गत मलय पुर विद्यालय में शिक्षक आशीष दीक्षित के संयोजन में हर घर तिरंगा अभियान अन्तर्गत राखी प्रतियोगिता आयोजित हुई। जिसमें छात्र अंश, संजना, कृष्णा, देवेन्द्र, ज्ञानेंद्र, अक्षय, अवनी की टीम द्वारा देश के सैनिकों के लिए निर्मित विशाल तिरंगा राखी षसिन्दूर रक्षा सूत्रष को विद्यालय स्तर पर विजेता घोषित किया गया। विद्यालय परिवार में प्रधान शिक्षक अजीत कुमार सिंह, सहायक शिक्षक मुकेश सचान, विनय शंकर सहित अन्य ने सहयोग किया।

संदिग्ध अवस्था में एक युवक का शव फांसी के फंदे पर लटकता हुआ पाया गया

बांगरमऊ उन्नाव। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र में एक युवक का शव संदिग्धावस्था में छप्पर के नीचे फांसी के फंदे पर लटकता हुआ पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेज दिया। युवक की अचानक मौत से परिजनों में चीख–पुकार मची हुई है। ग्राम कबीरपुर निवासी इंद्रपाल के बेटे मनोज 22 वर्ष का शव बुधवार को सुबह उसकी फूस के छप्पर के नीचे फांसी के फंदे पर लटकता हुआ पाया गया।

राजधानी लखनऊ में उत्तर प्रदेश माध्यमिक संघ एकजुट द्वारा सेवा सुरक्षा, राजकीय करण, कैशलेस चिकित्सा एवं अन्य कई मांगों को लेकर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय लखनऊ पर किया गया एक दिवसीय धरना प्रदर्शन।

छतरी थामे, घुटनों तक पानी में चलकर बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचे एडीएम

डीएम के निर्देश पर एडीएम ने तहसील सदर व धौरहरा क्षेत्र का भ्रमण किया, गांव-गांव पहुंचा भोजन ,तेज हुई राहत गतिविधियां, भोजन पैकेट लेकर गांव-गांव पहुंचा अमला

लखीमपुर–खीरी। हाथ में छतरी, घुटनों तक पानी और चेहरे पर संकल्प३ बुधवार को ऐसा ही मानवीय चेहरा नजर आया एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह का, जब वे बाढ़ पीड़ितों का हाल जानने खुद पानी में उतरकर गांव–गांव पहुंचे। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के निर्देश पर सदर और धौरहरा तहसील के बाढ़ प्रभावित गांवों का निरीक्षण करते हुए उन्होंने न सिर्फ हालात देखे, बल्कि ग्रामीणों से सीधे संवाद कर मदद का भरोसा भी दिलाया। एडीएम सबसे पहले एसडीएम अश्विनी कुमार सिंह के साथ रेहरिया गांव पहुंचे। पानी भरे रास्तों को पार करते हुए वे ग्रामीणों के बीच पहुंचे और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भोजन दोनों समय हर हाल में पहुंचे और किसी जरूरतमंद को अनदेखा न किया जाए। इसके बाद केवलपुरवा राहत शिविर और खानीपुर बाढ़ चौकी का निरीक्षण किया गया। चिकित्सा और पशुपालन टीमों को सतर्क रहने को कहा गया। धौरहरा तहसील के गोडियाना मजरा टहारा गांव में भी एडीएम पहुंचे। उन्होंने एसडीएम शशिकांत मणि के साथ ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं जानीं और हरसंभव सहायता का भरोसा दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बेचेलाल महाविद्यालय स्थित राहत केंद्र और ओएनजीसी हॉस्पिटल का भी जायजा लिया। एडीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि राहत कार्यों में कोई लापरवाही न हो, हर जरूरतमंद तक मदद पहुंचे। प्रशासन बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ हर कदम पर खड़ा है। गांव–गांव पहुंचा भोजन, चेहरों पर लौटी उम्मीद की रौशनी! निरीक्षण के तुरंत बाद एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह के निर्देश पर राजस्व प्रशासन की टीमें हरकत में आ गईं। दोनों तहसीलों में बाढ़ प्रभावित गांवों में लंच पैकेट लेकर कर्मचारी पहुंचे और सैकड़ों परिवारों को भोजन उपलब्ध कराया। प्रशासन की प्राथमिकता है कि कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे।

जड़ौरा में शवदाह गृह का निर्माण शुरू! बरसात में अंतिम संस्कार की समस्या होगी दूर

मुख्यमन्त्री पुरस्कार योजना के चलते जड़ौरा ग्राम में हो रहा शवदाह स्थल का निर्माण

गोला गोकर्णनाथ–खीरी।विगत वर्ष सत्र 2023,24 में जड़ौरा ग्राम पंचायत को क्षेत्रीय विधायक अमन गिरि व ग्राम प्रधान संध्या आशीष मिश्र के अधक प्रयासों से मुख्यमंत्री पुरस्कार योजना के तहत पैतीस लाख रूपये की धनराशि का आवंटन ग्राम सभा जड़ौरा के चहुंमूखी विकास के लिये धन आहरित हुआ था। जिसके चलते ग्राम सभाजड़ौरा में लगभग दो लाख रूपयों की लागत के चलते ष्शवदाहष स्थल का निरीक्षण कराया जा रहा है। ग्राम प्रधान संध्या आशीष मिश्र ने बताया कि मुख्यमंत्री प्रोत्साहन राशि के तहत ग्राम सभा जड़ौरा में गांव के पूरब ग्राम सभा की प्रस्तावित भूमि पर शवदाह स्थल का निर्माण कराया जा रहा है।जो कि इसमें सात बाई पांच मीटर की परिधि में निर्माण कराया जायेगा जो कि आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। जिसमें टाइल्स,पानी की टंकी, बैठने के लिये सीमेन्टेड कुर्सियां आदि का भी प्रस्ताव है। ग्राम प्रधान ने बताया कि इससे पहले ग्राम जड़ौरा में इसी राशि से सड़कें,सौर्य उर्जा की लाइटे,नल, सागरदास बाबा स्थल पर वाटरपार्क,आदि का निर्माण कराया जा चुका है।

बाढ से घिरे दर्जनों गांव, घरों में घुसा पानी, मची त्राहि-त्राहि

शारदा नदी उफान पर , क्षेत्र के कई गांवों में बाढ़ का पानी घुसने से ग्रामीणों में मची त्राहि त्राहि

निघासन–खीरी। शारदा नदी का जलस्तर बढ़ जाने की वजह से स्थानीय तहसील क्षेत्र के कई गांवों में बाढ़ का पानी प्रवेश करने की आशंका प्रबल हो चुकी है ग्राम पंचायत दौलतापुर में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है । हुलासी पुरवा से नौगवां को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग जलमग्न हो चुका है सड़क पर गोली की रफ्तार से पानी का बहाव हो रहा है जिसकी वजह से आवागमन बाधित हो चुका है ग्राम प्रधान दीपक जायसवाल,विनोद सिंह इदरीश,रफीक तथा सुनील कुमार आदि ने बताया कि बाढ़ का पानी धीरे–धीरे बढ़ रहा है इससे निचले हिस्से में स्थित गांव की फसले डूब चुकी हैं भविष्य को लेकर ग्रामीण बेहद चिंतित हैं जानकारी के अनुसार प्रभावित ग्रामों में बोटन पुरवा, सुरजी पुरवा नौगवां और यादव पुरवा में बाढ़ सबसे ज्यादा कहर ढाने को आतुर है। फसलों का भारी नुकसान हो चुका है नगवा से बंधन पर को जोड़ने वाला एक मात्र रास्ता बाढ़ की भेंट चढ़ चुका है जलस्तर में लगातार वृद्धि होने पर स्थिति गंभीर हो गई है , ऐसे हालात सिर्फ दौलता पुर पुर के ही नहीं है बल्कि स्थानीय तहसील क्षेत्र अंतर्गत दर्जनो ग्रामों में बाढ़ का पानी धीरे–धीरे प्रवेश की ओर अग्रसर है। ग्रामीणों के अनुसार बाढ़ प्रभावित धौलतापुर ग्राम पंचायत की ग्राम पंचायत विकास अधिकारी शालिनी पांडेय से राहत एवं बचाव कार्य के बारे में पूछे जाने पर साफ शब्दों में कहा कि मुझे जानकारी नहीं है , यह कार्य अधिकारियों का है मेरी जो ड्यूटी है उसका ईमानदारी से पालन किया जा रहा है । वास्तव में जिला प्रशासन द्वारा लाख प्रयास के बावजूद निघासन तहसील क्षेत्र के दर्जनों गांव बाढ़ की चपेट में है जो कि बेहद चिंता का विषय है।

कार्यक्रम का आयोजन!फल वितरण कर पालिकाध्यक्ष ने भाजपा प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता का मनाया जन्मदिन

भाजपा प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता के जन्मदिन पर पालिकाध्यक्ष ने फल किए वितरित

गोला गोकर्णनाथ–खीरी। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के ऊर्जावान प्रदेश महामंत्री/विधान परिषद सदस्य (डस्े) अनूप गुप्ता के जन्मदिन के अवसर पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कार्यकर्ताओं के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर मरीजों को फल वितरित कर कार्यकर्ताओं ने उनके दीर्घायु होने की कामना की। इस अवसर पर कुम्भी मण्डल अध्यक्ष रविन्द्र कटियार ,भाजपा नगर अध्यक्ष शत्रोहन मिश्रा, पिछडा वर्ग मोर्चा जिला महामंत्री विनोद स्वर्णकार, नगर महामंत्री राजेश राठौर, मीडिया

प्रभारी विजय मिश्रा, नगर मंत्री धीरज बाजपेयी, सी जी एन गोला पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष विजय बाजपेयी, पूर्व नगर महामंत्री अनुराग गुप्ता, शक्ति केन्द्र संयोजक शिवम गुप्ता, नवनीत वर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जन सूचना पोर्टल की गुणवत्ता व विश्वनीयता बनाए रखना हमारा दायित्व - डा संतोष गुप्ता

एचएमआईएस पोर्टल पर डाटा की गुणवत्ता को सुधारने के लिए की गई महत्वपूर्ण बैठक

लखीमपुर–खीरी।

एचएमआईएस पोर्टल पर डाटा की गुर्णवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक सीएमओ कार्यालय सभागार में मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) डॉ संतोष गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें (हाइब्रिड) फिजिकल /वर्चुअल के माध्यम से डाटा फ़ीडिंग के बारे में बताया गया। इस बैठक में जनपद के सभी सीएचसी अधीक्षक, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक, डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं अन्य संबंधित अधिकारियों ने सहभागिता की। सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने बताया कि बैठक में एचएमआईएस पोर्टल पर दर्ज किए जा रहे डाटा की सटीकता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता पर विशेष बल दिया गया है। मुख्य चिकित्साधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी स्वास्थ्य इकाइयों द्वारा दर्ज किए जाने वाले डाटा का सतत मूल्यांकन एवं सत्यापन सुनिश्चित किया जाए, जिससे नीति निर्माण एवं योजना क्रियान्वयन में सटीक आंकड़ों का उपयोग किया जा सके। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक अधिकारी द्वारा एचएमआईएस डाटा वेलिडेशन की प्रक्रिया, आम त्रुटियाँ एवं सुधार की रणनीतियों पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। साथ ही तकनीकी पहलुओं पर भी चर्चा कर अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भ्डै पोर्टल पर दर्ज आंकड़े ही हमारी योजनाओं की सफलता का आईना होते हैं। यदि डाटा त्रुटिपूर्ण या अपूर्ण रहेगा, तो योजनाओं की निगरानी व मूल्यांकन प्रभावित होगा। अतः प्रत्येक स्तर पर डाटा का समयबद्ध सत्यापन एवं सुधार अत्यंत आवश्यक है। बैठक के दौरान निम्न प्रमुख बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। सभी उपकेंद्रों, पीएचसी, सीएचसी तथा जिला अस्पतालों द्वारा एचएमआईएस पोर्टल पर दर्ज डाटा का नियमित मिलान एवं त्रुटियों का सुधार करने को कहा गया। आम डाटा त्रुटियों (जैसेदृसंख्या में असंतुलन, दोहराव, रिपोर्टिंग गैप) की पहचान एवं उन्हें समय रहते सुधारने की रणनीति बनायीं जाये।

'सरस्वती विद्या मन्दिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ज्ञान कुंज विवेकानन्द नगर सुल्तानपुर में संस्कृत सप्ताह का शुभारंभ'

सुल्तानपुर। सरस्वती विद्या मन्दिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ज्ञान कुंज विवेकानन्द नगर सुल्तानपुर में संस्कृत सप्ताह का शुभारंभ हुआ। संस्कृत सप्ताह का समापन 12 अगस्त को होना है। संस्कृत सप्ताह समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में छात्रों एवं आचार्य बन्धु भगिनी को सम्बोधित करते हुए प्रधानाचार्य राकेश मणि त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय संस्कृति और संस्कृत भाषा एक दूसरे के पूरक हैं। भारतीय संस्कृति से यदि पूर्णरूपेण परिचित होना है,तो संस्कृत भाषा का ज्ञान अनिवार्य है। संस्कृत भाषा जाने बिना अन्य भारतीय भाषाओं को जान पाना संभव नहीं है। संस्कृत दिवस और संस्कृत सप्ताह मनाने के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए संस्कृत विभाग प्रमुख देवेन्द्र कुमार पाठक ने कहा कि संस्कृत भाषा सर्वाधिक प्राचीन एवं सर्वश्रेष्ठ भाषा है।यह समस्त भारतीय भाषाओं की जननी है। गुरुकुलों में श्रावण मास की पूर्णिमा से ही पठन–पाठन के सत्र का आरंभ होता था। तथा उस समय पठन–पाठन और बोलचाल की एक मात्र भाषा संस्कृत ही थी। प्रथम बार सन् 1969 ई में विश्व संस्कृत दिवस मनाया गया। रक्षाबन्धनपर्व की परम्परा भी ऋषियों महर्षियों से ही जुड़ी रही। अतः प्रति वर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा को ही रक्षा–बंधन पर्व एवं संस्कृत दिवस दोनों ही मनाने की परंपरा है। सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए संस्कृत विभाग की वरिष्ठ आचार्या शशी द्विवेदी ने बताया कि सप्ताह भर संस्कृत वस्तु प्रदर्शनी, संस्कृत गीत प्रतियोगिता, संस्कृत संभाषण, श्रीमद्भगवद्गीता श्लोक प्रतियोगिता, संख्या प्रतियोगिता, संवाद, चित्र निर्माण पर आधारित प्रतियोगिताएं संचालित की जाएंगी। इस अवसर पर बहन श्रेया सिंह ने श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोकों का सस्वर गान किया। भैया रुद्र प्रताप सिंह और अक्षत मिश्र ने सभी छात्रों से संस्कृत ध्येय वाक्य का वाचन कराया। कार्यक्रम में उप प्रधानाचार्य रवीन्द्र तिवारी, महेश कुमार शुक्ल श्रीमती रंजना पाण्डेय, संस्कृत विभाग की आचार्या श्रीमती रूपम सिंह, श्रीमती उर्वशी मिश्रा, श्रेया तिवारी, साक्षी सिंह ज्ञानेन्द्र त्रिपाठी आदि सभी आचार्य बन्धु भगिनी उपस्थित रहे।

गांव उस्मानपुर में भाजपा नेता जय भगवान शर्मा का भव्य स्वागत, बोले "भाजपा सरकार जन-जन के उत्थान के लिए समर्पित है"

पिहोवा।पिहोवा विधानसभा क्षेत्र के गांव उस्मानपुर में भाजपा के वरिष्ठ नेता व डीडी पंडित जय भगवान शर्मा ने जनसंपर्क अभियान के तहत दौरा किया। गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने पारंपरिक तरीक़े से उनका फूल–मालाओं व जयघोष के साथ जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, बुजुर्गों, किसानों व युवाओं की भागीदारी रही। अपने संबोधन में पंडित जय भगवान शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र को लेकर हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में समावेशी विकास की मिसाल स्थापित की जा रही है। ष्गांव, गरीब, किसान, मजदूर और युवाकृहर वर्ग को लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं को ज़मीन पर उतारा जा रहा है। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि कोई भी पात्र नागरिक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहे,ष कृ पंडित जय भगवान शर्मा, डीडी ने ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना, ओल्ड एज पेंशन, कृषि सिंचाई योजनाएं और नारी सशक्तिकरण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने आगे कहा कि पिहोवा क्षेत्र को हाल ही में करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात मिली है, जिसमें ग्रामीण सड़कों की मरम्मत, स्कूलों के नवीनीकरण, पेयजल व्यवस्था और सामुदायिक केंद्रों का निर्माण शामिल है। कार्यक्रम के अंत में गांव वासियों ने भाजपा सरकार की योजनाओंकी सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने वास्तव में "जनता के दरवाज़े तक शासन" को साकार किया है। जनसंपर्क अभियान ने यह दर्शा दिया कि पिहोवा क्षेत्र में भाजपा की जड़ें लगातार मजबूत हो रही हैं और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार आमजन की आकांक्षाओं पर खरा उतर रही है।

संक्षिप्त समाचार

'सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने मृतक चंदन शर्मा के परिजनों से मिलकर दी सांत्वना'

'मौके से उच्च अधिकारियों से बात कर हत्या में शमिल आरोपियों को जल्द पकड़ने का दिया निर्देश'

,'परिवार को दी आर्थिक सहायता कहां जब जरूरत होगी हमेशा खड़ा मिलूंगा'

जयसिंहपुर सदर विधानसभा क्षेत्र के करिया बझना गांव निवासी चंदन शर्मा पुत्र राम दौर शर्मा जी के हत्या की सूचना प्राप्त हुआ थी उसी दिन से फोन के माध्यम से जिला अधिकारी महोदय एवं पुलिस अधीक्षक के साथ

साथ पीड़ित परिजनों से सम्पर्क बनाए रखा था आज विधानसभा क्षेत्र में आगमन पर सबसे पहले मृतक चंदन शर्मा जी के परिजनों से उनके घर पर मुलाकात कर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी कि इस दुःख कि घड़ी में हम आपके साथ है।फोन के माध्यम से पुलिस अधीक्षक से बात कर हत्या में लिप्त अपराधियों को पकड़ कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया साथ ही साथ पीड़ित परिवार को यह विश्वास दिलाया कि जल्द से जल्द हत्या में शामिल रहे सभी अपराधी पकड़े जायेंगे एवं उनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही कि जायेगी जिससे भविष्य में इस तरह की घटना को अंजाम न दें और आपको न्याय दिलाया जाएगा पीड़ित परिजनों को 50000 रूपया का आर्थिक सहयोग किया एवं आगे हर सम्भव मदद का भरोसा दिलाया!

जीजीआईसी ने डीएम कार्यालय तक निकाली भव्य तिरंगा रैली

सुल्तानपुर। पीएम श्री केशकुमारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सुल्तानपुर में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत तिरंगा रैली एवं राखी निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया। केश कुमारी राजकीय बालिका इंटर

कॉलेज, सुल्तानपुर ने एक भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। इस तिरंगा रैली में विद्यालय की लगभग 500 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली में छात्राओं ने अपने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामे देशभक्ति के नारों के साथ जिलाधिकारी कार्यालय तक गईं, जिससे समूचा वातावरण राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग गया। रैली का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता, देशप्रेम तथा तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना जागृत करना है। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में छात्राओं के लिए राखी बनाने की कार्यशाला भी आयोजित की गई। कार्यशाला में छात्राओं ने पारंपरिक एवं नवाचारी तरीके से सुंदर–सुंदर राखियाँ तैयार की, जो नारी सशक्तिकरण और भारतीय संस्कृति के मूल्यों को दर्शाता है। विद्यालय की प्रधानाचार्या पल्लवी सिंह ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्राओं में रचनात्मकता, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित होती है। कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिका डॉ रीना केसरवानी, डॉ दीपा द्विवेदी, डॉ मुक्ता सिंह, अंजना सिंह, सुनीता देवी सरोज, तृप्ति मिश्रा, सीमा यादव उपस्थिति रहीं।

'शिक्षकों की बीएलओ ड्यूटी का विरोध तेज, शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन'

सुलतानपुर, जिले में पंचायत चुनाव की तैयारियों के तहत चल रहे

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में बेसिक शिक्षकों की बीएलओ ड्यूटी लगाए जाने पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने कड़ा ऐतराज जताया है। इस मुद्दे को लेकर शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित उप जिलाधिकारी सदर विपिन कुमार द्विवेदी से मिला और ज्ञापन सौंपकर शिक्षकों को बीएलओ ड्यूटी से मुक्त करने की मांग की। संघ का कहना है कि शिक्षकों का कार्य शिक्षण है, जबकि बार–बार गैर–शैक्षणिक कार्यों में लगाए जाने से न केवल शिक्षकों पर अनावश्यक भार पड़ता है, बल्कि बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होती है। ज्ञापन में मांग की गई कि बेसिक शिक्षकों को बीएलओ की जिम्मेदारी से तत्काल मुक्त किया जाए। प्रतिनिधिमंडल में सदर तहसील अंतर्गत कुड़वार, दूबेपुर और कूरेमार ब्लॉकों के शिक्षक संघ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

माई सिटी
(हिन्दी दैनिक)
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्वेता सिंह द्वारा अनुज प्रशांत प्रिंटिंग प्रेस, 534क/1681, शिवलोक त्रिवेणीनगर–III, लखनऊ–226027 से मुद्रित कराकर 551 घ/15 नटखेड़ा रोड, आलमबाग, लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक
कवलजीत सिंह
मो0 9151772228
Email
mycitymedianews@gmail-com
R.N.I.NO.UPHIN/2013/50215
किसी भी विवाद हेतु लखनऊ न्यायालय क्षेत्र मान्य होगा।